भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 4683
दिनांक 28.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

आपातकालीन चिकित्सा सहायता

4683. **श्री नवीन जिंदल:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में विभिन्न देशों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता की महत्पूर्ण खेप भेजी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस मानवीय सहायता का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना और प्राप्तकर्ता देशों में आपदा से निपटने की तैयारी में वृद्धि करना है और यदि हां, तो यह किस प्रकार सरकार की विदेश नीति के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है;

(ग) क्या प्राप्तकर्ता राष्ट्रों के साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों ने ऐसी सहायता प्रदान करने के निर्णय को प्रभावित किया है और यदि हां, तो द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए क्या पहल की जा रही है; और

(घ) क्या स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा अथवा प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में इन देशों के साथ भावी सहयोग करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी भागीदारी के क्या परिणाम निकलने की संभावना है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 43 देशों को चिकित्सा सहायता प्रदान की, जिसका विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) भारत द्वारा अपने साझेदार देशों को दी जाने वाली मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) का लक्ष्य आपदा के दौरान तथा उसके बाद जीवन बचाने, पीड़ा को कम करने, मानवीय गरिमा को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने हेतु समय पर सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है। हमारी मानवीय सहायता

आपदा पर निर्भर करती है और मांग-आधारित होती है। सहायता में आवश्यक संसाधन जैसे खाद्य आपूर्ति, आवश्यक दवाइयां और चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएं, चिकित्सा उपकरण, अस्थायी आश्रय वस्तुएं, ऊर्जा संसाधन जैसे सौर लालटेन, डीजल जनरेटर आदि शामिल हैं। आपदाओं के बाद प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सहायता का उद्देश्य तत्काल राहत प्रदान करना, बीमारी के प्रकोप से बचाना, आपदाओं के दीर्घकालिक प्रभावों से निपटना तथा पुनर्वास प्रयासों में सहायता करना है, जबकि मांग-आधारित चिकित्सा सहायता साझेदार देशों को मजबूत चिकित्सा सुविधाएं और सतत स्वास्थ्य अवसंरचना प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

विदेश में भारत के एचएडीआर प्रयास इसकी व्यापक विदेश नीति के उद्देश्यों के अनुरूप हैं, जिनमें पड़ोस प्रथम नीति, सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण, एक्ट ईस्ट नीति और ग्लोबल साउथ देशों के प्रति भारत की व्यापक प्रतिबद्धता शामिल है।

(ग)और(घ) भारत प्राप्तकर्ता देशों के साथ ऐतिहासिक और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध साझा करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में इन देशों के विकास, सामाजिक-आर्थिक और मानवीय आवश्यकताओं के लिए भारत के सहयोग से और प्रगाढ़ हुए हैं। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के अलावा, वसुधैव कुटुम्बकम, विश्वबंधु जैसी हमारी मार्गदर्शक विचारधारा भी संकट के समय एक सहायक भागीदार के रूप में हमारी भूमिका को सुदृढ़ करती है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जो हमारे साझेदार देशों के साथ हमारी विकास साझेदारी को आगे बढ़ाते हैं। भारत अपने पड़ोसी देशों तथा अन्य साझेदार देशों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उनके साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनेक परियोजनाएं संचालित कर रहा है। इनमें से कुछ भागीदारियों में अस्पताल/क्लीनिक स्थापित करना, चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति तथा स्वास्थ्य सेवा तकनीशियनों और अधिकारियों को प्रशिक्षण देना शामिल है। विगत कुछ समय में, भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) की मान्यता संबंधी क्षेत्र में हमारी पहलें और प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) योजनाओं के माध्यम से साझेदार देशों को सस्ती दवाओं की आपूर्ति साझेदार देशों के साथ हमारे सहयोग का घटक बन गई हैं।

अनुबंध-I

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत द्वारा प्रदान की गई एचएडीआर और चिकित्सा सहायता का विवरण

क्रं. संख्या	**देश का नाम**	**एचएडीआर / निकासी अभियान**
1.	ग्वाटेमाला	लगभग 1222 किलोग्राम है चिकित्सा सहायता की।
2.	फ़िजी	फिजी के आईएमसीआई कार्यक्रम के लिए लगभग 7642 किलोग्राम दवाइयां
3.	केन्या (भयानक बाढ़)	(i) आईएनएस सुमेधा और 22 टन एचएडीआर द्वारा बाढ़ राहत आपूर्ति; (ii) सीटी स्कैन अवसंरचना
4.	पापुआ न्यू गिनी (भारी भूस्खलन)	(i) 19 टन आपदा राहत सामग्री के साथ 6 टन चिकित्सा आपूर्ति (ii) पोर्टेबल आरओ इकाइयों के साथ 12 एचडी मशीनें।
5.	क्यूबा	(i) लगभग 90 टन की 09 मेड-इन-इंडिया सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) (ii) लगभग 11 टन की चिकित्सा सहायता
6.	हैती (नागरिक संकट)	09 टन चिकित्सा सहायता
7.	सीरिया	लगभग 1400 किलोग्रामकी कैंसर रोधी दवाइयाँ
8.	अल साल्वाडोर (प्रचंड तूफान बेरिल)	50 टन आपदा राहत सामग्री
9.	यूक्रेन	04 भीष्म क्यूब्स और 10 जेनसेट
10.	नामीबिया	1,000 मीट्रिक टन चावल और 1,000 मीट्रिक टन मक्का

11.	ज़ाम्बिया	2,500 मीट्रिक टन मक्का
12.	मलावी	1,000 मीट्रिक टन चावल
13.	जिम्बाब्वे	1,000 मीट्रिक टन चावल
14.	लेसोथो	1000 मीट्रिक टन चावल और 1000 मीट्रिक टन ज्वार
15.	सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस (प्रचंड तूफान बेरिल)	60 टन एचएडीआर सहायता
16.	चाड (सैन्य गोला-बारूद डिपो में आग)	लगभग 2300 किलोग्राम चिकित्सा सहायता
17.	म्यांमार (ऑपरेशन सद्भाव)	(i) ऑपरेशन सद्भाव के तहत चिकित्सा सहायता सहित 53 टन एचएडीआर सामग्री (ii) 2200 मीट्रिक टन चावल
18.	लाओ पीडीआर (ऑपरेशन सद्भाव)	ऑपरेशन सद्भाव के तहत चिकित्सा सहायता सहित 10 टन एचएडीआर सामग्री
19.	वियतनाम (ऑप. सदभाव)	ऑपरेशन सद्भाव के तहत चिकित्सा सहायता सहित 35 टन एचएडीआर सामग्री
20.	नेपाल	(i) 36 टन एचएडीआर सहायता (ii) 10 बेली ब्रिज
21.	मार्शल द्वीप गणराज्य	पोर्टेबल आरओ इकाइयों के साथ 03 एचडी मशीनें
22.	पलाऊ	पोर्टेबल आरओ यूनिट के साथ 01 एचडी मशीन
23.	समोआ	पोर्टेबल आरओ यूनिट के साथ 01 एचडी मशीन
24.	सोलोमन द्वीप	पोर्टेबल आरओ यूनिट के साथ 01 एचडी मशीन
25.	नाउरू	पोर्टेबल आरओ यूनिट के साथ 01 एचडी मशीन
26.	लेबनान	33 टन चिकित्सा सहायता

27.	पश्चिमी तट, फिलिस्तीन	36 टन जीवन रक्षक और कैंसर रोधी दवाएँ
28.	गाजा, फिलिस्तीन	यूएनआरडब्ल्यूए के ज़रिए 30 टन मानवीय सहायता
29.	जमैका (तूफान बेरिल)	लगभग 58 टन चिकित्सा उपकरण और डीजल जेनसेट
30.	नाइजीरिया (भयंकर बाढ़)	50 टन एचएडीआर सहायता
31.	मॉरीशस	लगभग 80 किलोग्राम चिकित्सा सहायता
32.	कुर्दिस्तान(हलाब्जा में रासायनिक हथियार से बचे लोग)	फरवरी 2025 में चिकित्सा सहायता
33.	इक्वीटोरियल गिनी	10 टन चिकित्सा सहायता
34.	साओ टोम प्रिंसिपे	300 किलोग्राम चिकित्सा सहायता
35.	यमन	25 टन चिकित्सा सहायता
36.	जिबूती	20 हीमो-डायलिसिस मशीनें और एक आरओ प्लांट
37.	सूडान	2 टन चिकित्सा सहायता
38.	श्रीलंका	फ़्यूरोसेमाइड इंजेक्शन के 50,000 एम्पुल
39.	होंडुरास(उष्णकटिबंधीय तूफान सारा)	26 टन मानवीय सहायता
40.	बोत्सवाना (बाढ़)	लगभग 15 टन बाढ़ राहत सहायता
41.	वानुअतु (भूकंप)	19 टन आपदा राहत और चिकित्सा सहायता
42.	किरिबाती	एचडी मशीनों की 06 बेडेड कंटेनरीकृत इकाइयाँ
43.	बोलीविया	अग्निशमन उपकरणों की मानवीय सहायता

*****